UNITED NATIONS ORGANISATIONS (U.N.O.)- PART-1

संयुक्त राष्ट्र संघ

For-P.G.Sem-2,CC-6

Photo source : Internet

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के पूर्व मित्र राष्ट्र के नेता इस निष्कर्ष पर पहुंच चुके थे कि विश्व की समस्याओं को निपटाने एवं भविष्य में विश्वयुद्ध की आशंका को टालने के लिए एक ऐसा मंच स्थापित किया जाए जो राष्ट्र संघ से अधिक प्रभावशाली हो। इसी परिपेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ अस्तित्व में आया जो बीसवीं शताब्दी के दौरान अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थापित करने का दूसरा सबसे बड़ा कदम था। संयुक्त राष्ट्र संघ के अभ्युदय की कहानी अनेक चरणों से गुजरी है जिसमें अटलांटिक

Scanned with CamScanner

चार्टर, मास्को सम्मेलन, डम्बरटन आँक्स सम्मेलन, याल्टा सम्मेलन एवं सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन प्रमुख है।

- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान **अटलांटिक चार्टर** (14 अगस्त 1941) और **मास्को सम्मेलन**(19-30 अक्टूबर,1943) संयुक्त राष्ट्र की स्थापना में महत्वपूर्ण कदम था। **अटलांटिक चार्टर** के अंतर्गत ब्रिटेन और अमेरिका ने स्पष्ट किया कि वे न तो युद्धोत्तर विस्तारवादी नीति का अनुसरण करेंगे और न ही कोई ऐसे प्रादेशिक परिवर्तन करना चाहेंगे जो उस देश की जनता के विरुद्ध हो।
- **मास्को सम्मेलन** में अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के विदेश मंत्रियों ने यह घोषणा की कि विश्व शांति और सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना की जाये।
- **डम्बरटन आँक्स सम्मेलन**(2 अगस्त-1सितंबर,1944) में अमेरिका, ब्रिटेन, सोवियत संघ और चीन के प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय संगठन की रूपरेखा तैयार करने के लिए एकत्रित हुए किंतु पारस्परिक मतभेदों के कारण कोई निश्चित निर्णय पर नहीं पहुंच सके। इसी सम्मेलन में यह

Scanned with CamScanner

निर्णय लिया गया कि अगला सम्मेलन सन फ्रांसिस्को में बुलाया जाए।

- 4 से 11 फरवरी 1945 को काला सागर में स्थित क्रीमिया द्वीप के **याल्टा** नामक स्थान पर एक सम्मेलन हुआ जिसमें रुजवेल्ट, चर्चिल और स्टालिन ने भाग लिया। इस याल्टा सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि विश्व संगठन की स्थापना के संबंध में 25 अप्रैल 1945 को सन फ्रांसिस्को नगर में राष्ट्रों का सम्मेलन बुलाया जाये।
- 25 अप्रैल से 26 जून 1945 को **सेन फ्रांसिस्को सम्मेलन** हुआ जिसमें 50 देशों को निमंत्रित किया गया। इस सम्मेलन के द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ के संविधान **'चार्टर'** का निर्माण हुआ और 26 जून 1945 को उस में भाग लेने वाले राज्यों के प्रतिनिधियों ने उसके संविधान को अंतिम रूप से स्वीकार कर उस पर अपने हस्ताक्षर किए। **24 अक्टूबर 1945** को संयुक्त राष्ट्र संघ की औपचारिक रूप से स्थापना हुई।

❖ संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य

इस संगठन के चार्टर की प्रस्तावना और **पहले अनुच्छेद** में इसके उद्देश्यों को स्पष्ट किया गया है जो निम्नलिखित है

Scanned with CamScanner

1. अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना,
2. समान अधिकार और आत्म निर्णय के सिद्धांत के लिए आदर की भावना के आधार पर विभिन्न राष्ट्रों के बीच मित्रता पूर्वक भावना को मजबूत करना,
3. आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानव कल्याण संबंधी अंतरराष्ट्रीय समस्याओं को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना,
4. इन समान उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न राष्ट्रों द्वारा किए गए कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए केंद्रीय संगठन के रूप में कार्य करना।

❖ संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न अंग

चार्टर के **अध्याय 3** में **अनुच्छेद 7** के अनुसार संयुक्त राष्ट्र संघ में **6 अंगों** की व्यवस्था की गई है जो निम्नलिखित है:

1. **महासभा** (General Assembly)
2. **सुरक्षा परिषद** (Security Council)
3. **आर्थिक एवं सामाजिक परिषद** (Economic and Social Council)

Scanned with CamScanner

4. **ट्रस्टीशिप परिषद** (Trusteeship Council)
5. **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय** (International Court of Justice)
6. **सचिवालय** (Secretariat)

To be continued....

BY :ARUN KUMAR RAI
Asst.Professor,
P.G.Dept.of History,
Maharaja College,
Ara.

Scanned with CamScanner